प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 4
विषय - हिंदी (आधार) - 302
कक्षा - बारहवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- इस प्रश्न पत्र में खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।
- खंड 'अ' में उप - प्रश्नों सहित 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ब' में 08 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[10]**

इतिहास लिखने की ओर कोई जाति तभी प्रवृत्त होती है जब उसका ध्यान अपने इतिहास के निर्माण की ओर जाता है। यह बात साहित्य के बारे में उतनी ही सच है जितनी जीवन के। हिंदी में आज इतिहास लिखने के लिए यदि विशेष उत्साह दिखाई पड़ रहा है तो यही समझा जाएगा कि स्वराज्य-प्राप्ति के बाद सारा भारत जिस प्रकार सभी क्षेत्रों में इतिहास-निर्माण के लिए आकुल है उसी प्रकार हिंदी के विद्वान एवं साहित्यकार भी अपना ऐतिहासिक दायित्व निभाने के लिए प्रयत्नशील हैं। पहले भी जब साहित्य का इतिहास लिखने की परंपरा का सूत्रपात हुआ था तो संपूर्ण राष्ट्रीय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के इतिहास-निर्माण के साथ ही। यदि आरंभिक इतिहासों के इतिहास में न जाकर पं. रामचंद्र शुक्ल के इतिहास को ही लें, जो हिंदी-साहित्य का पहला व्यवस्थित इतिहास माना जाता है, तो उसकी ऐतिहासिकता द्योतित करने के लिए उस युग का राष्ट्रीय आंदोलन समानांतर दिखाई पड़ेगा। राजनीतिक इतिहास ग्रंथों का सिलसिला भी उसी ऐतिहासिक दौर में जमा। परंतु शुक्लजी के इतिहास के संदर्भ में जो सबसे प्रासंगिक तथ्य है वह है तत्कालीन रचनात्मक साहित्य की ऐतिहासिक क्रांति - कविता और कथा-साहित्य का नवीन सृजनात्मक प्रयत्न। साहित्य का वैसा इतिहास तभी संभव हुआ जब साहित्य-रचना के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक परिवर्तन आया, जब सच्चे अर्थों में इतिहास बना।

इसके अतिरिक्त, शुक्लजी का इतिहास 'हिंदी शब्द सागर' के साथ आया था, जिसके आसपास ही पं. कामताप्रसाद गुरु का पहला प्रामाणिक 'हिंदी व्याकरण' भी निकला था। साहित्य का इतिहास, शब्दकोश एवं व्याकरण-क्या इन तीनों का एक साथ बनना आकस्मिक है? यह तथ्य इसलिए ध्यान देने योग्य है कि आज फिर जब साहित्यिक इतिहास लिखने का उत्साह उमड़ा है तो साथ-साथ शब्दकोश और व्याकरण के संशोधन एवं परिवर्तन के प्रयत्न भी हो रहे हैं; बल्कि जिस काशी नगरी प्रचारिणी सभा ने पिछले ऐतिहासिक दौर में ये तीनों कार्य किए थे, वही संस्था आज फिर बहुत बड़े पैमाने पर तीनों योजनाओं के साथ प्रस्तुत है। और चूंकि अब हिंदी का कार्यक्षेत्र पहले से कहीं अधिक व्यापक हो गया है इसलिए इस

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रकार के प्रयत्न यदि अन्य अनेक जगहों से भी हों तो स्वाभाविक ही कहा जाएगा, जैसे भारतीय हिंदी परिषद, प्रयाग की ओर से तीन जिल्दों में प्रकाशित होनेवाला 'हिंदी-साहित्य'। इन तथ्यों से प्रमाणित होता है कि आज भी हिंदी उन सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूर्णत: तत्पर है, जो कि उससे अपेक्षित भाषाएँ जो कार्य काफी पहले कर चुकी हैं उसे थोड़े समय में ही जल्द से जल्द पूरा करके हिंदी भी सबके साथ आ जाना चाहती है, बल्कि संभव हुआ तो आगे निकल जाने के लिए भी आकुल है। सभा एवं परिषद के बृहद् - मध्यम इतिहास अनायास ही 'कैम्ब्रिज हिस्ट्री ऑफ इंगलिश लिटरेचर' और 'ऑक्सफोर्ड हिस्ट्री आफ इंगलिश लिटरेचर' की याद दिला देते हैं। जैसा कि इन हिंदी इतिहासों का मंतव्य स्पष्ट किया गया है, 'कोई एक लेखक सभी विषयों पर विशेषज्ञता की दृष्टि से विचार नहीं कर सकता है, इसलिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के सहयोग से ऐसा इतिहास प्रस्तुत किया जाए जिसमें नवीनतम खोजों और नवीन व्याख्याओं का समुचित उपयोग हो सके।' ऐसे संदर्भ-ग्रंथों की एक निश्चित उपयोगिता है किंतु यह उनकी अनिवार्य सीमा भी है। इस सीमा को ध्यान में रखकर ही साहित्यिक इतिहास पर पुनर्विचार संभव है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश में किस विषय पर बात हुई है?

i. साहित्य का निर्माण
ii. इतिहास निर्माण
iii. हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन
iv. इतिहास लेखन

(ii) किस समय से इतिहास लेखन में हिन्दी के विद्वानों ने व्याकुलता दिखाई?

i. और इतिहास लिखे जाने के बाद
ii. स्वतंत्रता के बाद
iii. शब्दकोश के निर्माण के बाद
iv. कथा साहित्य के आने के बाद

(iii) साहित्यिक इतिहास की सीमा क्या है?

i. शब्दकोश
ii. पुनर्विचार
iii. मध्य इतिहास
iv. उसकी उपयोगिता

(iv) वर्तमान में हिन्दी का कार्य क्षेत्र कैसा है?

i. सबसे आगे
ii. व्यापक
iii. कम
iv. सिमटा हुआ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) भारतीय हिन्दी परिषद कहाँ स्थित है?

i. लखनऊ

ii. काशी

iii. प्रयाग

iv. बनारस

(vi) शुक्ल जी का इतिहास किसके साथ आया था?

i. हिन्दी शब्द सागर

ii. हिन्दी व्याकरण

iii. मध्यकालीन इतिहास

iv. आधुनिक काल इतिहास

(vii) **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**

I. इतिहास और उसकी ऐतिहासिकता दोनों भिन्न हैं।

II. साहित्य के इतिहास पर पुनर्विचार होना चाहिए।

III. स्वराज्य प्राप्ति के बाद सबका ध्यान अपने इतिहास की ओर गया।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

i. I और II

ii. II और III

iii. I और III

iv. उपरोक्त सभी

(viii) इतिहास लिखने की ओर कोई प्रवृत कब होता है?

i. युग की समाप्ति के बाद

ii. जब कुछ इतिहास हो जाता है

iii. जब सही समय आता है

iv. जब इतिहास निर्माण की जरूरत होती है

(ix) इतिहास लेखन का कार्य किस संस्था ने पहले किया था?

i. नागरी प्रचारिणी सभा

ii. काशी सभा

iii. राम चंद्र शुक्ल

iv. हिन्दी इतिहास संस्था

(x) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कथन (A): रामचन्द्र शुक्ल का इतिहास हिन्दी का प्रथम व्यवस्थित उपन्यास माना जाता है।
कारण (R): राजनीतिक इतिहास ग्रंथों का सिलसिला भी उसी ऐतिहासिक दौर में शुरू हुआ था।

i. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
ii. कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
iii. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
iv. कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

एक थे नव्वाब,
फ़ारस से मंगाए थे गुलाब।
बड़ी बाड़ी में लगाए
देशी पौधे भी उगाए
रखे माली, कई नौकर
गजनवी का बाग मनहर
लग रहा था।
एक सपना जग रहा था
सांस पर तहजबी की,
गोद पर तरतीब की।
क्यारियां सुन्दर बनी
चमन में फैली घनी।
फूलों के पौधे वहाँ
लग रहे थे खुशनुमा।
बेला, गुलशब्बो, चमेली, कामिनी,
जूही, नरगिस, रातरानी, कमलिनी,
चम्पा, गुलमेंहदी, गुलखैरू, गुलअब्बास,
गेंदा, गुलदाऊदी, निवाड़, गन्धराज,
और किरने फूल, फ़व्वारे कई,
रंग अनेकों-सुर्ख, धनी, चम्पई,
आसमानी, सब्ज, फ़िरोज सफ़ेद,
जर्द, बादामी, बसन्त, सभी भेद।
फ़लों के भी पेड़ थे,
आम, लीची, सन्तरे और फ़ालसे।
चटकती कलियां, निकलती मृदुल गन्ध,
लगे लगकर हवा चलती मन्द-मन्द,
चहकती बुलबुल, मचलती टहनियां,
बाग चिड़ियों का बना था आशियाँ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

साफ़ राह, सरा दानों ओर,
दूर तक फैले हुए कुल छोर,
बीच में आरामगाह
दे रही थी बड़प्पन की थाह।
कहीं झरने, कहीं छोटी-सी पहाड़ी,
कही सुथरा चमन, नकली कहीं झाड़ी।
आया मौसिम, खिला फ़ारस का गुलाब,
बाग पर उसका पड़ा था रोब-ओ-दाब;
वहीं गन्दे में उगा देता हुआ बुत्ता
पहाड़ी से उठे-सर ऐंठकर बोला कुकुरमुत्ता-
"अब, सुन बे, गुलाब,
भूल मत जो पायी खुशबु, रंग-ओ-आब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतरा रहा है केपीटलिस्ट!
कितनों को तूने बनाया है गुलाम,
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा-घाम,
हाथ जिसके तू लगा,
पैर सर रखकर वो पीछे को भागा
औरत की जानिब मैदान यह छोड़कर,
तबेले को टट्टू जैसे तोड़कर,
शाहों, राजों, अमीरों का रहा प्यारा
तभी साधारणों से तू रहा न्यारा।

(i) कविता में गुलाब किसका प्रतीक है?

क) सुंदरता का
ख) पूँजीवादी प्रवृति का
ग) सामान्य प्रवृति का
घ) फूल का

(ii) कवि ने कविता में किसका चित्रण किया है?

क) गुलाब का
ख) कुकुरमुत्ते का
ग) फूलों का
घ) बाग का

(iii) गुलाब साधारण से अलग क्यों है?

क) क्योंकि उसमें काँटे होते हैं
ख) क्योंकि उसकी अधिक देखभाल करनी पड़ती है
ग) क्योंकि वो बहुत खूबसूरत है
घ) क्योंकि वह अमीरों को प्यारा है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) कविता में सामजिक विषमता का चित्रण किस प्रकार किया गया है?
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
कथन (I): नवाब साहब ने फारस से गुलाब मंगवाए
कथन (II): बगीचे के बीच आरामगाह बनवाया
कथन (III): बगीचे में काम करने वाला माली झोपड़ियों में रहने को मजबूर है
कथन (IV): कवि क्रोधित हो रहा है
निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं। ख) केवल कथन (IV) सही है।

ग) केवल कथन (II) सही है। घ) केवल कथन (II) और (III) सही हैं।

(v) कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
1. लगे लगकर हवा चलती मन्द-मन्द	(i) मानवीकरण अलंकार
2. बड़ी बाड़ी में लगाए	(ii) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार
3. अब, सुन बे, गुलाब	(iii) अनुप्रास अलंकार

क) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii) ख) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

ग) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i) घ) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-** **[5]**

(i) भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का कौन-सा दौर चल रहा है? **[1]**

क) तीसरा ख) दूसरा

ग) चौथा घ) पहला

(ii) आधुनिक युग में इंटरनेट पत्रकारिता का कौन-सा दौर चल रहा है? **[1]**

क) द्वितीय ख) चतुर्थ

ग) तृतीय घ) प्रथम

(iii) जनसंचार का दृश्य एवं श्रव्य माध्यम का उचित उदाहरण है- **[1]**

क) रेडियो और टेलीविजन दोनों ख) रेडियो

ग) टेलीविजन घ) अखबार

(iv) पत्रकारिता के प्रमुख कितने प्रकार है? **[1]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) छह		ख) पाँच

ग) चार		घ) आठ

(v) उल्टा पिरामिड शैली के बाद कौन-सी अन्य शैली भी विशेष लेखन में प्रयुक्त होती है? **[1]**

क) कथात्मक शैली		ख) विवर्णात्मक शैली

ग) तथ्यात्मक शैली		घ) संस्मरणात्मक

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हम दूरदर्शन पर बोलेंगे
हम समर्थ शक्तिवान
हम एक दुर्बल को लाएंगे
एक बंद कमरे में
उससे पूछेंगे तो आप क्या आपाहिज हैं?
तो आप क्यों अपाहिज हैं?
आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा
देता है?
(कैमरा दिखाओ इसे बड़ा बड़ा)
हां तो बताइए आपका दुख क्या है
जल्दी बताइए वह दुख बताइए
बता नहीं पाएगा
सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है
कैसा
यानी कैसा लगता है
(हम खुद इशारे से बताएंगे कि क्या ऐसा?)
सोचिए
बताइए
थोड़ी कोशिश करिए
(यह अवसर खो देंगे?)
आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ-पूछ उसको रुला देंगे
इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का
करते हैं?
फिर हम परदे पर दिखलाएंगे
फूली हुई आंख की एक बड़ी तसवीर
बहुत बड़ी तसवीर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा
बस करो
नहीं हुआ
रहने दो
परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुसकुराएंगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गई)
धन्यवाद।

(i) साक्षात्कारकर्ता किसे रुलाना चाहता है?

क) कैमरा मैन को
ख) दर्शक और अपाहिज दोनों को
ग) दर्शक को
घ) अपाहिज को

(ii) प्रस्तुत काव्यांश से मीडिया के किस भाव का पता चलता है?

क) मदद की भावना
ख) सामाजिक कार्य की भावना
ग) संवेदनहीनता
घ) संवेदनशीलता

(iii) **फिर हम परदे पर दिखलाएंगे** पंक्ति में अलंकार बताइए।

क) मानवीकरण
ख) उत्प्रेक्षा
ग) अनुप्रास
घ) श्लेष

(iv) फूली हुई आँख की तस्वीर से क्या तात्पर्य है?

क) मीडिया का दुख
ख) अपाहिज का रोना
ग) संवेदना
घ) अपाहिज की पीड़ा

(v) प्रस्तुत काव्यांश में कौन-सा रस है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) करुण रस	ख) रौद्र रस

ग) वीभत्स रस	घ) भयानक रस

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

यह विडंबना की ही बात है कि इस युग में भी जातिवाद के पोषकों की कमी नहीं है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम-विभाजन को आवश्यक मानता है, और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम-विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस तर्क के संबंध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है कि जाति-प्रथा श्रम-विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन का भी रूप लिए हुए है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) लेखक किस विडंबना की बात कह रहा हैं?

क) जातिवाद को बढ़ावा देना
ख) कार्य-कुशलता का अभाव
ग) सभ्य समाज का अभाव
घ) बेरोजगारी

(ii) जातिवाद के पोषक अपने समर्थन में क्या तर्क देते हैं?

क) श्रम-विभाजन
ख) कार्य कुशलता
ग) श्रमिक विभाजन
घ) सभ्य समाज

(iii) लेखक क्या आपत्ति दर्ज कर रहा है?

क) श्रमिकों का अनादर
ख) श्रम विभाजन
ग) श्रमिक विभाजन
घ) श्रम का अभाव

(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): जातिवाद के समर्थकों की संख्या अधिक नहीं है।
कारण (R): जाति-प्रथा श्रम के साथ श्रमिक का भी विभाजन करती है।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

i. जाति-प्रथा श्रम विभाजन का ही एक रूप है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ii. जाति-प्रथा एक स्वाभाविक विभाजन है।
iii. जाति-प्रथा मनुष्य को जीवन भर के लिए एक पेशे से बाँध देती है।
उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

क) केवल ii	ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) केवल iii	घ) केवल i

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-** **[10]**

(i) **अरली टू बैड अरली टू राइज मेक्स ए मैंन हैल्दी एंड वाइज** - किसने किससे कहा? **[1]**

क) यशोधर ने गिरीश से	ख) किशनदा ने गिरीश से
ग) यशोधर ने किशनदा से	घ) किशनदा ने यशोधर से

(ii) हर रविवार किशनदा कितने बजे चाय पीने यशोधर बाबू के घर आया करते थे? **[1]**

क) छह बजे	ख) चार बजे
ग) सात बजे	घ) पाँच बजे

(iii) किशनदा यशोधर को क्या कहकर बुलाते थे? **[1]**

क) भाई	ख) भाऊ
ग) यशोधर	घ) बेटा

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। **[1]**
कथन (A): किशनदा की मौत पर उनके जाति भाई ये जानने के भी इच्छुक नहीं थे कि उनकी मृत्यु किस कारण हुई।
कारण (R): बाल- बच्चों से वृद्धावस्था की सुरक्षा का बोध बना रहता है।

क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।	ख) कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।	घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:- **[1]**
कथन (I): लेखक के पिता दत्ता जी राव के सामने नतमस्तक हो जाते थे।
कथन (II): दत्ता जी लेखक को सुबह पाठशाला जाने को कहते हैं।
कथन (III): आनंदा का पाठशाला जाने का मन नहीं था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कथन (IV): लेखक छड़ी के डर से पढ़ने नहीं जाता था।
सही कथन/कथनों वाले विकल्प को चयनित कर लिखिए।

क) कथन (II) तथा (III) सही हैं। ख) कथन (I) तथा (II) सही हैं।

ग) कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं। घ) कथन (I), (II) तथा (III) सही हैं।

(vi) **जूझ** पाठ के आधार पर मास्टर लेखक को क्या कह कर बुलाते थे? **[1]**

क) लल्ला ख) श्याम

ग) कुमार घ) आनंदा

(vii) **जूझ** पाठ के आधार पर दादा ने लेखक को खेती के कार्य में क्यों लगा दिया? **[1]**

क) वह स्वयं स्वतंत्र रहकर नगर में घूमना चाहता था ख) वह लेखक को खेती के कार्य सिखाना चाहता था

ग) इनमें से कोई भी नहीं घ) वह लेखक के भविष्य के बारे में सोचता था

(viii) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर महाकुंड की चौड़ाई कितनी है? **[1]**

क) 30 फुट ख) 15 फुट

ग) 20 फुट घ) 25 फुट

(ix) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के अनुसार मोहनजोदड़ो शहर के मुख्य सड़क की चौड़ाई कितनी है? **[1]**

क) तैंतीस मील ख) दस फुट

ग) चालीस फुट घ) तैंतीस फुट

(x) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर भग्न इमारत में कितने खंभे हैं? **[1]**

क) 15 खंभे ख) 40 खंभे

ग) 30 खंभे घ) 20 खंभे

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:** **[6]**

(i) **अचानक माँ की तबियत बिगड़ने पर** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **जब मेरी/मेरा प्रिय अध्यापिका/अध्यापक सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हुईं/हुआ** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। [6]

(iii) **कंप्यूटर: आज की ज़रूरत** विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। [6]

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** [4]

(i) i. कहानी में संवाद योजना कैसी होनी चाहिए? स्पष्ट कीजिए। [3]

(ii) **अथवा**

i. मुद्रित माध्यमों के क्या लाभ हैं? [3]

(iii) i. कहानी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) **अथवा**

i. विशेष लेखन के पाठकों की विशेषता लिखिए? [3]

9. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) संवाददाता किसे कहते हैं? [3]

(ii) विशेष रिपोर्ट का आशय स्पष्ट करते हुए खोजी रिपोर्ट और इन-डेप्थ रिपोर्ट का अंतर स्पष्ट कीजिए। [3]

(iii) फ़ीचर क्या है? समाचार और फ़ीचर में अंतर बताते हुए फ़ीचर लेखन का उद्देश्य बताइए। [3]

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) **जग-जीवन का भार लिए फिरने** का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

(ii) **कविता के बहाने सब घर एक कर देने के माने क्या होते हैं?** स्पष्ट कीजिए। [3]

(iii) कुंभकरण के द्वारा पूछे जाने पर रावण ने अपनी व्याकुलता के बारे में क्या कहा और कुंभकरण से क्या सुनना पड़ा? [3]

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** [4]

(i) टिप्पणी करें- सावन की घटाएँ व रक्षाबंधन का पर्व। [2]

(ii) सबसे तेज बौछारें गईं भादों गया के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें। [2]

(iii) सूर्योदय का वर्णन लगभग सभी बड़े कवियों ने किया है। प्रसाद की कविता **बीती विभावरी जाग री** और अज्ञेय की **बावरा अहेरी** की पंक्तियाँ आगे बॉक्स में दी जा रही है। [2]

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उषा कविता के समानांतर इन कविताओं को पढ़ते हुए नीचे दिए गए बिंदुओं पर तीनों कविताओं का विश्लेषण कीजिए और यह भी बताइए कि कौन-सी कविता आपको ज़्यादा अच्छी लगी और क्यों?

- उपमान
- शब्दचयन
- परिवेश

बीती विभावरी जाग री! अंबर पनघट में डुबो रही- तारा-घट ऊषा नागरी। खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा किसलय का अंचल डोल रहा, लो यह लतिका भी भर लाई- मधु मुकुल नवल रस गागरी अधरों में राग अमंद पिए, अलकों में मलयज बंद किए- तू अब तक सोई है आली आँखों में भरे विहाग री। **-जयशंकर प्रसाद**
भोर का बावरा अहेरी पहले बिछाता है आलोक की लाल-लाल कनियाँ पर जब खींचता है जाल को बाँध लेता है सभी को साथः छोटी-छोटी चिड़ियाँ, मँझोले परेवे, बड़े-बड़े पंखी डैनों वाले डील वाले डौल के बैडौल उड़ने जहाज़, कलस-तिसूल वाले मंदिर-शिकर से ले तारघर की नाटी मोटी चिपटी गोल धुस्सों वाली उपयोग-सुंदरी बेपनाह काया कोः गोधूली की धूल को, मोटरों के धुएँ को भी पार्क के किनारे पुष्पिताग्र कर्णिकार की आलोक-खची तन्वि रूप-रेखा को और दूर कचरा चलानेवाली कल की उद्दंड चिमनियों को, जो धुआँ यों उगलती हैं मानो उसी मात्र से अहेरी को हरा देंगी। **-सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन 'अज्ञेय'**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजियेः** **[6]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) भूमंडलीकरण के इस दौर में भगत जी जैसे लोग क्या प्रेरणा देते हैं? **बाज़ार दर्शन** के आधार पर उत्तर दीजिए। **[3]**

(ii) **काले मेघा पानी दे** पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **[3]**

(iii) **पहलवान की ढोलक** कहानी से क्या संदेश मिलता है? अपने शब्दों में लिखिए। **[3]**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) मायके से आने के बाद भक्तिन ने अपना गुस्सा किस प्रकार शांत किया? **[2]**

(ii) लछमिन के पैरों के पंख गाँव की सीमा में आते ही क्यों झड़ गए? **[2]**

(iii) संस्कृत साहित्य में शिरीष की महिमा का उल्लेख किस प्रकार किया गया है? **[2]**

14. **निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-** **[4]**

(i) **सिल्वर वैडिंग** पाठ में गीता की महिमा सुनते-सुनते जनार्दन शब्द सुनते ही यशोधर पंत क्या सोचने लगते हैं? **[2]**

(ii) वसंत पाटील कौन है? लेखक आनंद यादव ने उससे दोस्ती क्यों व कैसे की? **[2]**

(iii) उन तथ्यों का उल्लेख कीजिए जो लेखक की इस मान्यता की पुष्टि करते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता समृद्ध थी परंतु उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। **[2]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solutions

खंड अ (वस्तपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
इतिहास लिखने की ओर कोई जाति तभी प्रवृत्त होती है जब उसका ध्यान अपने इतिहास के निर्माण की ओर जाता है। यह बात साहित्य के बारे में उतनी ही सच है जितनी जीवन के। हिंदी में आज इतिहास लिखने के लिए यदि विशेष उत्साह दिखाई पड़ रहा है तो यही समझा जाएगा कि स्वराज्य-प्राप्ति के बाद सारा भारत जिस प्रकार सभी क्षेत्रों में इतिहास-निर्माण के लिए आकुल है उसी प्रकार हिंदी के विद्वान एवं साहित्यकार भी अपना ऐतिहासिक दायित्व निभाने के लिए प्रयत्नशील हैं। पहले भी जब साहित्य का इतिहास लिखने की परंपरा का सूत्रपात हुआ था तो संपूर्ण राष्ट्रीय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के इतिहास-निर्माण के साथ ही। यदि आरंभिक इतिहासों के इतिहास में न जाकर पं. रामचंद्र शुक्ल के इतिहास को ही लें, जो हिंदी-साहित्य का पहला व्यवस्थित इतिहास माना जाता है, तो उसकी ऐतिहासिकता द्योतित करने के लिए उस युग का राष्ट्रीय आंदोलन समानांतर दिखाई पड़ेगा। राजनीतिक इतिहास ग्रंथों का सिलसिला भी उसी ऐतिहासिक दौर में जमा। परंतु शुक्लजी के इतिहास के संदर्भ में जो सबसे प्रासंगिक तथ्य है वह है तत्कालीन रचनात्मक साहित्य की ऐतिहासिक क्रांति - कविता और कथा-साहित्य का नवीन सृजनात्मक प्रयत्न। साहित्य का वैसा इतिहास तभी संभव हुआ जब साहित्य-रचना के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक परिवर्तन आया, जब सच्चे अर्थों में इतिहास बना।
इसके अतिरिक्त, शुक्लजी का इतिहास 'हिंदी शब्द सागर' के साथ आया था, जिसके आसपास ही पं. कामताप्रसाद गुरु का पहला प्रामाणिक 'हिंदी व्याकरण' भी निकला था। साहित्य का इतिहास, शब्दकोश एवं व्याकरण-क्या इन तीनों का एक साथ बनना आकस्मिक है? यह तथ्य इसलिए ध्यान देने योग्य है कि आज फिर जब साहित्यिक इतिहास लिखने का उत्साह उमड़ा है तो साथ-साथ शब्दकोश और व्याकरण के संशोधन एवं परिवर्तन के प्रयत्न भी हो रहे हैं; बल्कि जिस काशी नगरी प्रचारिणी सभा ने पिछले ऐतिहासिक दौर में ये तीनों कार्य किए थे, वही संस्था आज फिर बहुत बड़े पैमाने पर तीनों योजनाओं के साथ प्रस्तुत है। और चूंकि अब हिंदी का कार्यक्षेत्र पहले से कहीं अधिक व्यापक हो गया है इसलिए इस प्रकार के प्रयत्न यदि अन्य अनेक जगहों से भी हों तो स्वाभाविक ही कहा जाएगा, जैसे भारतीय हिंदी परिषद, प्रयाग की ओर से तीन जिल्दों में प्रकाशित होनेवाला 'हिंदी-साहित्य'। इन तथ्यों से प्रमाणित होता है कि आज भी हिंदी उन सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूर्णत: तत्पर है, जो कि उससे अपेक्षित भाषाएँ जो कार्य काफी पहले कर चुकी हैं उसे थोड़े समय में ही जल्द से जल्द पूरा करके हिंदी भी सबके साथ आ जाना चाहती है, बल्कि संभव हुआ तो आगे निकल जाने के लिए भी आकुल है। सभा एवं परिषद के बृहद् - मध्यम इतिहास अनायास ही 'कैम्ब्रिज हिस्ट्री ऑफ इंगलिश लिटरेचर' और 'ऑक्सफोर्ड हिस्ट्री आफ इंगलिश लिटरेचर' की याद दिला देते हैं। जैसा कि इन हिंदी इतिहासों का मंतव्य स्पष्ट किया गया है, 'कोई एक लेखक सभी विषयों पर विशेषज्ञता की दृष्टि से विचार नहीं कर सकता है, इसलिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के सहयोग से ऐसा इतिहास प्रस्तुत किया जाए जिसमें नवीनतम खोजों और नवीन व्याख्याओं का समुचित उपयोग हो सके।' ऐसे संदर्भ-ग्रंथों की एक निश्चित उपयोगिता है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

किंतु यह उनकी अनिवार्य सीमा भी है। इस सीमा को ध्यान में रखकर ही साहित्यिक इतिहास पर पुनर्विचार संभव है।

(i) (iii) हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन
(ii) (ii) स्वतंत्रता के बाद
(iii) (iv) उसकी उपयोगिता
(iv) (ii) व्यापक
(v) (iii) प्रयाग
(vi) (i) हिन्दी शब्द सागर
(vii) (ii) II और III
(viii) (iv) जब इतिहास निर्माण की जरूरत होती है
(ix) (i) नागरी प्रचारिणी सभा
(x) (iv) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

एक थे नव्वाब,
फ़ारस से मंगाए थे गुलाब।
बड़ी बाड़ी में लगाए
देशी पौधे भी उगाए
रखे माली, कई नौकर
गजनवी का बाग मनहर
लग रहा था।
एक सपना जग रहा था
सांस पर तहजबी की,
गोद पर तरतीब की।
क्यारियां सुन्दर बनी
चमन में फैली घनी।
फूलों के पौधे वहाँ
लग रहे थे खुशनुमा।
बेला, गुलशब्बो, चमेली, कामिनी,
जूही, नरगिस, रातरानी, कमलिनी,
चम्पा, गुलमेंहदी, गुलखैरू, गुलअब्बास,
गेंदा, गुलदाऊदी, निवाड़, गन्धराज,
और किरने फूल, फ़व्वारे कई,
रंग अनेकों-सुर्ख, धनी, चम्पई,
आसमानी, सब्ज, फ़िरोज सफ़ेद,
जर्द, बादामी, बसन्त, सभी भेद।
फ़लों के भी पेड़ थे,
आम, लीची, सन्तरे और फ़ालसे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चटकती कलियां, निकलती मृदुल गन्ध,
लगे लगकर हवा चलती मन्द-मन्द,
चहकती बुलबुल, मचलती टहनियां,
बाग चिड़ियों का बना था आशियाँ।
साफ़ राह, सरा दानों ओर,
दूर तक फैले हुए कुल छोर,
बीच में आरामगाह
दे रही थी बड़प्पन की थाह।
कहीं झरने, कहीं छोटी-सी पहाड़ी,
कही सुथरा चमन, नकली कहीं झाड़ी।
आया मौसिम, खिला फ़ारस का गुलाब,
बाग पर उसका पड़ा था रोब-ओ-दाब;
वहीं गन्दे में उगा देता हुआ बुत्ता
पहाड़ी से उठे-सर ऐंठकर बोला कुकुरमुत्ता-
"अब, सुन बे, गुलाब,
भूल मत जो पायी खुशबु, रंग-ओ-आब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतरा रहा है केपीटलिस्ट!
कितनों को तूने बनाया है गुलाम,
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा-घाम,
हाथ जिसके तू लगा,
पैर सर रखकर वो पीछे को भागा
औरत की जानिब मैदान यह छोड़कर,
तबेले को टट्टू जैसे तोड़कर,
शाहों, राजों, अमीरों का रहा प्यारा
तभी साधारणों से तू रहा न्यारा।

(i) **(ख)** पूँजीवादी प्रवृति का
व्याख्या: पूँजीवादी प्रवृति का

(ii) **(घ)** बाग का
व्याख्या: बाग का

(iii) **(घ)** क्योंकि वह अमीरों को प्यारा है
व्याख्या: क्योंकि वह अमीरों को प्यारा है

(iv) **(घ)** केवल कथन (II) और (III) सही हैं।
व्याख्या: केवल कथन (II) और (III) सही हैं।
जहाँ एक ओर नवाब ने बगीचे में आराम करने के लिए आरामगाह बनवाया वहीं दूसरी ओर उसी बगीचे का गरीब माली टूटी-फूटी झोंपड़ी में रहने को मजबूर है। कवि ने इसी सामाजिक विषमता का चित्रण किया है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) **(ग)** 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)
व्याख्या: 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-
(i) **(क)** तीसरा
व्याख्या: भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का तीसरा दौर चल रहा है, जिसकी शुरुआत 2003 से हुई।
(ii) **(ग)** तृतीय
व्याख्या: तृतीय
(iii) **(ग)** टेलीविजन
व्याख्या: टेलीविजन जनसंचार का दृश्य एवं श्रव्य माध्यम है। टेलीविजन में आवाज के साथ दृश्य को भी देखा जा सकता है।
(iv) **(ख)** पाँच
व्याख्या: खोजपरक पत्रकारिता, विशेषीकृत पत्रकारिता, वॉचडॉग पत्रकारिता, एडव्होकेसी (एडवोकेसी) पत्रकारिता, वैकल्पिक मीडिया।
(v) **(क)** कथात्मक शैली
व्याख्या: उल्टा पिरामिड शैली के बाद कथात्मक शैली भी विशेष लेखन में प्रयुक्त होती है।

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
हम दूरदर्शन पर बोलेंगे
हम समर्थ शक्तिवान
हम एक दुर्बल को लाएंगे
एक बंद कमरे में
उससे पूछेंगे तो आप क्या आपाहिज हैं?
तो आप क्यों अपाहिज हैं?
आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा
देता है?
(कैमरा दिखाओ इसे बड़ा बड़ा)
हां तो बताइए आपका दुख क्या है
जल्दी बताइए वह दुख बताइए
बता नहीं पाएगा
सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है
कैसा
यानी कैसा लगता है
(हम खुद इशारे से बताएंगे कि क्या ऐसा?)
सोचिए

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बताइए
थोड़ी कोशिश करिए
(यह अवसर खो देंगे?)
आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ-पूछ उसको रुला देंगे
इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का
करते हैं?
फिर हम परदे पर दिखलाएंगे
फूली हुई आंख की एक बड़ी तसवीर
बहुत बड़ी तसवीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा
बस करो
नहीं हुआ
रहने दो
परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुसकुराएंगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गई)
धन्यवाद।

(i) **(ख)** दर्शक और अपाहिज दोनों को
व्याख्या: दर्शक और अपाहिज दोनों को

(ii) **(ग)** संवेदनहीनता
व्याख्या: संवेदनहीनता

(iii) **(ग)** अनुप्रास
व्याख्या: अनुप्रास

(iv) **(घ)** अपाहिज की पीड़ा
व्याख्या: अपाहिज की पीड़ा

(v) **(क)** करुण रस
व्याख्या: करुण रस

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
यह विडंबना की ही बात है कि इस युग में भी जातिवाद के पोषकों की कमी नहीं है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम-विभाजन को आवश्यक मानता है, और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम-विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस तर्क के संबंध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है कि जाति-प्रथा श्रम-विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन का भी रूप लिए हुए है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) **(क)** जातिवाद को बढ़ावा देना
व्याख्या: जातिवाद को बढ़ावा देना

(ii) **(क)** श्रम-विभाजन
व्याख्या: श्रम-विभाजन

(iii) **(ग)** श्रमिक विभाजन
व्याख्या: श्रमिक विभाजन

(iv) **(ख)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
व्याख्या: कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(v) **(घ)** केवल i
व्याख्या: केवल i

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-

(i) **(घ)** किशनदा ने यशोधर से
व्याख्या: यह कथन किशनदा अपने मानस पुत्र यशोधर से कहा। उनका मानना था कि रात को जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना ही मनुष्य को स्वस्थ और बुद्धिमान बनाता है।

(ii) **(ख)** चार बजे
व्याख्या: किशनदा हर रविवार शाम चार बजे यशोधर पंत के घर चाय पीने के लिए आया करते थे। वहाँ बैठकर प्रवचन दिया करते थे।

(iii) **(ख)** भाऊ
व्याख्या: भाऊ

(iv) **(ग)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(v) **(ख)** कथन (I) तथा (II) सही हैं।
व्याख्या: कथन (I) तथा (II) सही हैं।

(vi) **(घ)** आनंदा
व्याख्या: आनंदा

(vii) **(क)** वह स्वयं स्वतंत्र रहकर नगर में घूमना चाहता था
व्याख्या: वह स्वयं स्वतंत्र रहकर नगर में घूमना चाहता था

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(viii) **(घ)** 25 फुट

व्याख्या: अतीत में दबे पाँव पाठ के आधार पर महाकुंड की चौड़ाई 25 फुट है।

(ix) **(घ)** तैंतीस फुट

व्याख्या: पाठ के अनुसार मोहनजोदड़ो की मुख्य सड़क जो पूरे शहर को जोड़ती है, उसकी चौड़ाई तैंतीस फुट है।

(x) **(घ)** 20 खंभे

व्याख्या: भग्न इमारत में 20 खंभे हैं।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:

(i) माँ प्रत्येक परिवार की धुरी होती है। वह दिनभर पूरे घर-परिवार की देखभाल करती है। हाल के 365 दिन वह काम करती है। हम सब तो रविवार को छुट्टी मनाते हैं पर माँ के हिस्से में तो वो रविवार भी नही आता। बल्कि रविवार को तो माँ का काम और बढ़ जाता है। एक रविवार हमारे पिता के कुछ मित्र हमारे घर पर खाना खाने आने वाले थे। माँ ने सारी योजना पहले से ही बनाई हुई थी कि चाय के साथ क्या दिया जाना है, खाने में क्या बनना है आदि। हम सब बड़े ही उत्साहित थे। इसका कारण था कि एक तो मेहमान आने वाले थे और दूसरा कारण माँ के द्वारा बनाया जाने वाला स्वादिष्ट व्यंजन था। अगले दिन माँ सुबह जल्दी उठ गई और रसोई में चाय बनाने लगी कि अचानक उनके गिरने की आवाज़ आई। हम सब वहाँ गए तो देखा कि माँ ज़मीन पर गिरी हुई हैं। हमने उन्हें उठाया तो उनका शरीर बुखार से तप रहा था। मेरे भाई और पिताजी ने उन्हें बिस्तर पर लिटाया और मैंने डॉक्टर को फोन किया। डॉक्टर ने आकर उनका मुआयना किया और उन्हें दो दिन आराम करने की सलाह दी। अब हमारे सामने मेहमानों की आवभगत की समस्या थी। पिताजी ने कहा कि वे उन्हें मना कर देते हैं, पर मैंने और मेरे भाई ने उन्हें ऐसा करने से मना कर दिया। अब सबसे पहले हमने माँ को नाश्ता करा कर दवा दी और पिताजी से उनके पास बैठने को कहा। मेरे भाई ने जल्दी से घर की साफ़-सफाई की और मैंने छोले उबलने को रखे, फिर मैंने कपड़े धो दिए और मेरे भाई ने सूखने डाल दिए। इसके बाद माँ के बताए अनुसार मैंने छोले बनाए और आटा लगा दिया। हम भाई-बहिन ने फटाफट पूरी सेक ली। मैंने फलों का रायता बना लिया और मेरे भाई ने मीठे में ढेर सारे मेवा डाल कर कस्टर्ड बना लिया। मेहमानों के आने पर हमने सबसे पहले चाय के साथ गर्मागर्म पकोड़े और जलेबी सर्व किए। इसके बाद थोड़ी गपशप के बाद हमने उन्हें खाना सर्व किया। सभी ने हमारे द्वरा बनाए हुए खाने की बहुत तारीफ की। इसके बाद हमने निश्चय किया कि अबसे हर रविवार को हम माँ को आराम देंगे और घर का सारा काम मैं और मेरा भाई करेंगे। यह हमारे लिए एक सुखद परिवर्तन था।

(ii) हम जब भी प्रिय अध्यापक की बात करते हैं तो हमें स्कूल के दिनों की याद आने लग जाती हैं। हमारे स्कूल के दिनों में कई ऐसे शिक्षक थे जो हमें ज्ञान भरी बाते बताते थे और हमें भविष्य के लिए तैयार करने में अहम योगदान निभाते। ऐसे ही एक मेरे प्रिय अध्यापक हैं जो हमें पढाई कराने के साथ-साथ हमें वो बाते भी सीखते थे जो हमारे लिए आज काफी मायने रखती है। मेरे प्रिय अध्यापक का नाम श्री सुरेश चन्द्र शर्मा था जो हमें स्कूल में हिंदी विषय पढ़ते थे। वो हमें विषय के आलावा बाहरी ज्ञान भी देते। मेरे प्रिय अध्यापक अपने अच्छे व्यवहार के लिए जाने

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जाते थे। मेरे प्रिय अध्यापक किसी परिचय में मोहताज नही हैं। आज भी हम जब भी कही मिलते हैं तो वो ही डांट देते और कुछ अनसुने किस्से को याद करते। मेरे प्रिय अध्यापक हमारे ही गाँव में रहते हैं और गाँव में भी लोग उनकी काफी इज्जत करते हैं। वो सुबह जल्दी उठ कर योगा करते हैं और लोगो को भी प्रेरित करते हैं। जब उनकी सेवानिवृत्ति का दिन आया तो हम सभी विद्यार्थियों का मन भावुक था। जब मैंने उनके सम्मान में विदाई भाषण दिया तो मेरा मन रो रहा था। हमें इस बात का दुःख था कि हम उनके अनमोल वचन से महरूम हो रहे हैं। जब अध्यापक ने हम सबका आभार प्रकट किया तो सभी की आँखें नम थीं।

(iii) **कंप्यूटर : आज की ज़रूरत**

कंप्यूटर वास्तव में, विज्ञान द्वारा विकसित एक ऐसा यंत्र है, जो कुछ ही क्षणों में असंख्य गणनाएँ कर सकता है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कंप्यूटर द्वारा रेलवे टिकटों की बुकिंग बहुत आसानी से और कम समय में की जा सकती है।

आज किसी भी बीमारी की जाँच करने, स्वास्थ्य का पूरा परीक्षण करने, रक्त-चाप एवं हृदय गति आदि मापने में इसका भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त उपकरणों में कंप्यूटर का बेहतर प्रयोग उन्हें और भी उपयोगी बना रहा है। आज हवाई यात्रा में सुरक्षा का मामला हो या यान उड़ाने की प्रक्रिया, कंप्यूटर के कारण सभी जटिल कार्य सरल एवं सुगम हो गए हैं। संगीत हो या फ़िल्म, कंप्यूटर की मदद से इनकी गुणवत्ता को सुधारने में बहुत मदद मिली है। जहाँ कंप्यूटर से अनेक लाभ हैं, कंप्यूटर से कुछ हानियाँ भी हैं। कंप्यूटर पर आश्रित होकर मनुष्य आलसी प्रवृत्ति का बनता जा रहा है। कंप्यूटर के कारण बच्चे आजकल घर के बाहर खेलों में रुचि नहीं लेते और इस पर गेम खेलते रहते हैं। इस कारण से उनका शारीरिक और मानसिक विकास ठीक से नहीं हो पाता। फिर भी कंप्यूटर आज के जीवन की आवश्यकता है। अगर हम इसका सही ढंग से प्रयोग करें, तो हम अपने जीवन में और तेजी से प्रगति कर सकते हैं ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) i. कहानी में संवाद योजना निम्नलिखित प्रकार से होनी चाहिए-

i. कहानी में संवाद योजना सहज और सरल होनी चाहिए।
ii. संवाद योजना स्वाभाविक होनी चाहिए।
iii. संवाद योजना विषयानुकूल होनी चाहिए।
iv. संवाद योजना पात्रानुकूल होनी चाहिए।
v. संवाद योजना रोचक होनी चाहिए।
vi. संवाद योजना संक्षिप्त होनी चाहिए।

(ii) **अथवा**

i. जनसंचार के मुद्रित माध्यम में अखबार और पत्रिकायें आदि आते हैं। मुद्रित माध्यमों का सबसे बड़ा फायदा है कि हम उसे जब चाहे पढ़ सकते हैं और पढ़ने के बाद आराम से समझ भी सकते हैं। इससे लिखित भाषा का विस्तार होता है। तथा इसे हम लंबे समय तक सुरक्षित संग्रह करके रख सकते हैं।

(iii) i. कहानी का इतिहास उतना ही पुराना है जितना मानवीय इतिहास है क्योंकि कहानी मानवीय स्वभाव और प्रकृति का अटूट हिस्सा है। कहानी सुनने और सुनाने की प्रवृत्ति मनुष्य में आदिम युग से है। जैसे-जैसे मानवीय सभ्यता का विकास होता गया वैसे-वैसे कहानी की आदिम कला

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

का विकास होता रहा।

कल्पना करना मनुष्य का स्वाभाविक गुण है। धीरे-धीरे सत्य घटनाओं पर आधारित ... (कथा) कथा-कहानी सुनते-सुनाते मनुष्य में कल्पना का सम्मिश्रण होने लगा क्योंकि प्रायः मनुष्य वह सुनना चाहता है जो उसे प्रिय है। .. प्राचीन काल में किसी घटना, युद्ध, प्रेम आदि के किस्से सुनाए जाते थे और श्रोता इन किस्से कहानियों को आनंदपूर्वक सुनते थे। धीरे धीरे ये किस्से ही कहानियों का रूप (धारण) ग्रहण कर लेते हैं। इस प्रकार कहानी कला का धीरे-धीरे विकास हुआ।

(iv) **अथवा**

i. विशेष लेखन को सभी पाठक नहीं पढ़ते, प्रत्येक विषय का पाठक वर्ग अलग होता है जैसे समाचार पत्र में कारोबार औए व्यापार का पन्ना कम पाठक पढ़ते हैं लेकिन जो पाठक पढ़ते है उनकी संख्या सामान्य पाठकों से ज्यादा होती है और उनकी उम्मीद होती है कि उनको उनके विषय की ज्यादा से ज्यादा जानकारी मौजूदा समय के हिसाब से मिले।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) समाचारों को संकलित करने वाले को संवाददाता कहा जाता है।

(ii) खोजी रिपोर्ट एक विशेष रिपोर्टिंग रूप है जो नई और महत्वपूर्ण जानकारी की खोज करती है। यह अक्सर नए घटनाक्रमों, अनसुलझी समस्याओं या अन्य रहस्यमय मुद्दों का पता लगाने के लिए प्रयास करती है। इन-डेप्थ रिपोर्ट विशेष विषयों पर गहनतापूर्वक जाँच, विश्लेषण और विस्तारित जानकारी प्रदान करती है। यह एक विषय पर गहराई से जानकारी देती है और उसे समझाने का प्रयास करती है।

(iii) फीचर एक सुव्यवस्थित सृजनात्मक और आत्मिक लेखन है। इसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और उनका मनोरंजन करना है। फीचर लेखन की भाषा सरल, रूपात्मक और आकर्षक होती है जबकि समाचार की भाषा सपाट होती है। जहाँ फीचर में शब्दों की अधिकतम सीमा नहीं होती वहीँ समाचार में शब्द सीमा होती है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) कवि तो स्वतंत्र-चेतना का व्यक्ति है। वह संसार की सोचता है। संसार में अभाव है, पीड़ा है, छल-कपट है, नित्य नूतन समस्याएँ हैं। कविगण उनके कारण एवं निदान के विषय में चिंतन करते रहते हैं। सब समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करना तो उनके वश में नहीं होता, लेकिन वे अपने साहित्य में कोई महत्त्वपूर्ण समस्या उठाते हैं और फिर उसके निराकरण के लिए संसार को एक रास्ता भी दिखाते हैं। इसी कारण कवि यह कहता है कि मैं संसार का भार अपने कंधों पर लिए फिरता हूँ।

(ii) सब घर एक कर देने का अर्थ है-आपसी भेद, अंतर एवं अलगाव बोध को समाप्त करके सब में एक जैसे अपनत्व की भावना का प्रसार करना। बच्चे संभी घरों को अपने घर जैसा ही मानते हुए सब पर समान अधिकार जताते हैं। एक बच्चे की तरह कविता भी आपसी भेदभाव भूलकर सबके बीच समानता की भावना को प्रचारित करती है।

(iii) कुंभकरण के पूछने पर रावण ने उसे अपनी व्याकुलता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया कि किस तरह उसने सीता का हरण किया। फिर उसने बताया कि वानरो ने सब राक्षस मार डाले हैं और

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सभी महान योद्धाओं का संहार कर दिया है। उसकी ऐसी बाते सुनकर कुंभकरण बिलखने लगा और बोला कि अरे मुर्ख! जगत-जननी जानकी को चुराकर अब तू कल्याण चाहता है? यह संभव नहीं है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) रक्षाबंधन भाई-बहन के मधुर प्रेम का बंधन है। सावन में रक्षाबंधन आता है। सावन का जो संबंध झीनी घटा से है, घटा का जो संबंध बिजली से है वही संबंध भाई का बहन से होता है। भाई-बहन के मन में मधुर प्यार की भावनाएँ होती हैं।

(ii) भादों वर्षा ऋतु का अंतिम महीना होता है। इस मास मे बहुत वर्षा होती है। हमेशा बादल घिरे रहने से अंधकार का साम्राज्य रहता है। वर्षा की झड़ी लगी रहती है। वर्षा की ऋतु बीत जाने के बाद शरद ऋतु के आने से समस्त वातावरण स्वच्छ हो जाता है। सारी धूल-मिट्टी धुल जाती है। आसमान साफ़ हो जाता है। ऋतु बदल जाने के कारण शरद ऋतु में बादल नही घिरते। अंधकार के स्थान पर सब ओर प्रकाश फैल जाता है। इस स्वच्छ आसमान मे जब सवेरे सूरज आता है तो आसमान पर लालिमा छा जाती है। वर्षा की समाप्ति के बाद चमकीले आकाश की लाली कवि को खरगोश की चमकीली आँखें याद दिला जाती हैं। मौसम खुशनुमा हो जाने से बच्चे खुश हो जाते हैं और पतंग बाजी का माहौल बन जाता है।

(iii) सभी कविताओं को कवियों ने नए उपमान के द्वारा प्रस्तुत किया है। यदि प्रसाद जी ने पनघट, नागरी, खग, लतिका, नवल रस विहाग आदि उपमानों के माध्यम से प्रातःकाल का वर्णन किया है तो अज्ञेय ने भोर को बावरा अहेरी, मंदिर, नाटी मोटी और चपटी गोल धूसे, गोधूली आदि उपमानों के द्वारा प्रस्तुत किया है। शमशेर बहादुर सिंह ने प्रातःकाल के लिए नीले शंख, काला सिल, चौका, स्लेट, युवती आदि उपमानों का स्वाभाविक प्रयोग किया है। उपमानों की तरह तीनों कवियों की शब्द योजना बिलकुल सटीक और सार्थक है।
तीनों ही कवियों ने साधारण बोलचाल के शब्दों का सुंदर एवं स्वाभाविक प्रयोग किया है। तीनों कवियों ने सूर्योदय का मनोहारी चित्रण किया है। हमें शमशेर बहादुर सिंह द्वारा रचित 'उषा' शीर्षक की कविता सबसे अच्छी लगती है। कारण यही है कि 'बावरी अहेरी' और 'बीती विभावरी जाग री' शीर्षक कविताएँ उपमानों, शब्द योजना की दृष्टि से 'उषा' कविता की अपेक्षा कठिन प्रतीत होती है। 'उषा' कविता आम पाठक की समझ में शीघ्र आ जाती है। तीनों कविता में सुबह के परिवेश का ही वर्णन है। परन्तु स्थिति अलग-अलग है। 'उषा' कविता के कवि ने गाँव का चित्र चित्रित किया है। 'बीती विभावरी जाग री' के कवि ने पनघट, नदी तथा लता का चित्र चित्रित किया है। 'बावरा अहेरी' के कवि ने पक्षीवृंदों, मंदिर तथा बाग का चित्र चित्रित किया है। अतः बेशक भोर का वर्णन हो लेकिन परिवेश भिन्न-भिन्न हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) भूमंडलीकरण के इस दौर में भगत जी जैसे लोग प्रेरणादायी हैं ये मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं। भगत जी का अपने मन पर पूर्ण नियंत्रण है इसलिए बाजार का जादू उनके मन पर अपना प्रभाव नहीं डाल पाता। बाज़ार में उनकी आँखें खुली रहती थीं, पर मन भरा होने के कारण उनका मन अनावश्यक चीज़ें खरीदने के लिए मचलता। ऐसे व्यक्ति ही बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं। भगत जी के आचरण से प्रभावित होकर लोग अनावश्यक स्पर्द्धा में नहीं पड़ेंगे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

वे व्यर्थ की वस्तुएँ खरीदने बाज़ार नहीं जाएँगे। ऐसा करने से आपसी झगड़ों में कमी आएगी और समाज में शांति का वातावरण स्थापित होगा।

(ii) लेखक ने इस पाठ में लोक प्रचलित विश्वास तथा विज्ञान के द्वंद्व का सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया है। जब आषाढ़ के महीने में वर्षा के न होने पर इंदर सेना कीचड़ में लेटकर बारिश के लिए प्रार्थना करती है, तब गाँव वाले उन पर पानी डालते हैं। लेखक इसे उनका अंधविश्वास मानता है। लोगों को हमेशा विश्वास को तर्क की कसौटी पर परखना चाहिए। यदि वह समय की आवश्यकता पर खरा उतरे, तभी उसे अपनाना चाहिए क्योंकि बिना विश्वास के आस्था का कोई महत्व नहीं।

(iii) पहलवान की ढोलक कहानी से हमें संघर्ष, समर्पण और विजय के महत्वपूर्ण संदेश मिलते हैं। यह कहानी दिखाती है कि सफलता के लिए कठिनाइयों का सामना करना, निरंतर प्रयास करना और संघर्ष को नहीं हारने देना आवश्यक होता है। यह एक प्रेरणादायक कहानी है जो हमें जीवन के मुश्किल समयों में आगे बढ़ने का साहस देती है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) भक्तिन जब मायके पहुँची तो उसे अपने पिता की मृत्यु का समाचार मिला। यह बात उसे पहले किसी ने नहीं बताई कि उसके पिता इस संसार से चले गए हैं। उसकी विमाता ने भी उससे अच्छा व्यवहार नहीं किया, इसलिए वह मायके से बिना पानी पिए ही ससुराल चली आई। वहाँ आकर उसने अपनी सास को बुरा-भला कहकर विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया तथा अपने पति पर गहने फेंक-फेंककर पिता के चिर विछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की।

(ii) लछमिन की सास का व्यवहार सदैव कटु रहा। जब उसने लछमिन को मायके यह कहकर भेजा की तुम बहुत दिन से मायके नहीं गई हो, जाओ देखकर आ जाओ तो यह उसके लिए अप्रत्याशित था। उसके पैरों में पंख से लग गए थे। ख़ुशी-ख़ुशी जब वह मायके के गाँव की सीमा में पहुँची तो लोगों ने फुसफुसाना प्रारंभ कर दिया कि हाय! बेचारी लछमिन अब आई है। लोगों की नजरों से सहानुभूति झलक रही थी। उसे इस बात का अहसास नहीं था कि उसके पिता की मृत्यु हो चुकी है या वे गंभीर बीमार थे। विमाता ने उसके साथ अन्याय किया था इसलिए वह हतप्रभ थी। उसकी तमाम ख़ुशी समाप्त हो गई।

(iii) संस्कृत साहित्य में शिरीष के फूल को बहुत कोमल माना गया है। इसके फूल बहुत नाजुक होते हैं। वे केवल भौंरों के पदों का भार ही सहन कर सकते हैं, पक्षियों के पैरों का भी नहीं।

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-

(i) गीता की महिमा सुनते-सुनते अचानक यशोधर पंत के कानों में 'जनार्दन' शब्द सुनाई पड़ा। यह सुनते ही उन्हें अपने जीजा जनार्दन जोशी की याद आ गई। उन्हें याद आया कि परसों ही चिट्ठी आई है कि उनके जीजा जी बीमार हैं। वे अहमदाबाद में रहते हैं। ऐसे समय में उनका हाल-चाल जानने के लिए अहमदाबाद जाना ही होगा। यशोधर पंत एक मिलनसार व्यक्ति हैं। हर किसी के सुख-दुःख में वे जाते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे भी पारिवारिकता के प्रति उत्साही बनें। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता। पत्नी और बच्चों का तो यह मानना है कि पुराने रिश्तों के प्रति लगाव रखना मूर्खता है क्योंकि इन्हें निभाने के लिए समय और पैसा दोनों की हानि होती है।

(ii) वसंत पाटील दुबला-पतला, परंतु होशियार लड़का था। वह स्वभाव से शांत था तथा हर समय पढ़ने में लगा रहता था। वह घर से पूरी तैयारी करके आता था तथा उसके सभी सवाल ठीक होते

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

थे। वह दूसरों के सवालों की जाँच करता था। उसे कक्षा का मॉनीटर बना दिया गया था। वह हमेशा पहली बेंच पर मास्टर के पास बैठता था। कक्षा के सभी छात्र उसका सम्मान करते थे। लेखक भी उसकी देखा देखी मेहनत करने लगा। उसने बस्ता व्यवस्थित किया, किताबों पर अखबारी कागज का कवर चढ़ाया तथा हर समय पढ़ने लगा। उसके सवाल भी ठीक निकलने लगे। वह भी वसंत पाटिल की तरह लड़कों के सवाल जाँचने लगा। इस तरह दोनों दोस्त बन गए तथा एक-दूसरे की सहायता से कक्षा के अनेक काम करने लगे।

(iii) सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह समृद्ध और व्यापक सभ्यता थी, लेकिन उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। इसकी पुष्टि के लिए उन तथ्यों का उल्लेख किया जाता है जैसे कि उसके मोहनजोदड़ों और लगभग 2,500 से अधिक नगरों के अवशेषों की उपस्थिति, तकनीकी कुशलता, व्यापार नेटवर्क, सामाजिक संरचना, शिल्प का प्रमाण, और सुसंगत जीवन शैली की मौजूदगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in